आकाशवाणी श्री विजयपुरम

03.06.2026 समय : 1905

1. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जनजातीय क्षेत्रों के अंतिम गाँव और अंतिम घर तक विकास कार्य तेज गति से पहुंचाने का आह्वान किया।

2. स्वराज द्वीप में मत्स्य विभाग ने स्थानीय मछुआरों के लिए आईस प्लांट की सुविधा शुरू की।

3. जैव विविधता संरक्षण और सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए भारतीय प्राणी सर्वेक्षण ने पर्यावरण जागरुकता रैली आयोजित की।

4. अंडमान निकोबार के चार न्यायिक केन्द्रों में पोर्ट ब्लेयर, मायाबंदर, डिगलीपुर और कैम्पबेल बे में एक साथ 20 जून को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

<><><><><><><>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज नई दिल्ली में एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसियों और एकीकृत जनजातीय विकास परियोजनाओं को सुदृढ़ करने के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि देशभर में रहने वाला जनजातीय समाज सांस्कृतिक रूप से बहुत समृद्ध है और इन्हें आगे बढ़ाने के प्रयास किए जाने चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि देश के प्रत्येक गांव और व्यक्ति तक विकास पहुंचना चाहिए। जनजातीय समुदाय के अनेक गांव और बस्तियां दूर–दराज के क्षेत्र में जंगलों और पहाड़ तले इलाकों में होते हैं। ऐसे इलाकों को विकास की मुख्य धारा से पूरी तरह जोड़ना आपका कर्तव्य है। अंतिम गांव और अंतिम बस्ती के अंतिम घर तक विकास कार्यक्रम को पहुंचाना आपका उत्तरदायित्व है।

<><><><><><><>

मत्स्य विभाग द्वारा स्वराज द्वीप के मछुआरों के लाभार्थ 5 मीट्रिक टन क्षमता वाले आइस प्लांट का निर्माण किया गया है। इस आइस प्लांट में प्रतिदिन 120 बर्फ की सिल्ली तैयार की जा सकती हैं, जिनमें प्रत्येक का वजन 55 किलोग्राम है। विभाग द्वारा इन बर्फ की सिल्लियों को मछुआरों को रियायती दरों पर उपलब्ध कराया जाएगा। विभाग के अनुसार 26 मई से आइस प्लांट शुरू हो गया है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत गोविंद नगर, स्वराज द्वीप के प्रधान, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, एपीडब्ल्यूडी तथा विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ क्षेत्र के स्थानीय मछुआरे भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मछुआरों को बर्फ की सिल्ली का वितरण एवं विक्रय किया गया। विभाग का कहना है कि इस सुविधा से स्थानीय मछुआरों को मत्स्य उत्पादों के संरक्षण में सहायता मिलेगी।

<><><><><><><>

केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, श्री विजयपुरम में "राजभाषा कार्य एवं सहायक कार्यालयीन कार्य हेतु उपयोगी ई–टूल्स" विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी के प्रभावी प्रयोग तथा कार्यालयीन कार्यों में उपयोगी डिजिटल साधनों की जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभारी हिंदी प्रकोष्ठ रीना साहा के स्वागत उद्बोधन से हुई। उन्होंने राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग तथा कार्यालयीन कार्यों में आधुनिक तकनीकी साधनों के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता एवं राजभाषा विशेषज्ञ अजय सिंह ने राजभाषा अधिनियम, 1963, राजभाषा नियम, 1976 तथा राजभाषा संबंधी विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन की चुनौतियों और उनके व्यावहारिक समाधानों पर चर्चा करते हुए विभिन्न राजभाषा ई–टूल्स, टूल्स भारती तथा भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी मंच 'भाषिणी' के उपयोग से अवगत कराया। अपने संबोधन में संस्थान के निदेशक डॉ. जयसुंदर ने राजभाषा के प्रोत्साहन के लिए तकनीकी संसाधनों के उपयोग पर बल दिया।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान जिला कार्यालय में आज एक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देना तथा कर्मचारियों को नवीन तकनीकी साधनों के माध्यम से हिन्दी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट प्रियंका कुमारी ने उपस्थित कर्मचारियों से सरकारी कार्यों में हिन्दी का अधिकतम उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनेक ऑनलाइन

सॉफ्टवेयर और डिजिटल उपकरण उपलब्ध हैं, जिनकी सहायता से हिन्दी में कार्य करना पहले की अपेक्षा अधिक सरल और सुविधाजनक हो गया है। उन्होंने कर्मचारियों को राजभाषा नीति के अनुरूप हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में राजभाषा विभाग के कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्री अजय सिंह ने कर्मचारियों को कंप्यूटर में यूनिकोड सक्रिय करने की प्रक्रिया, भाषिणी एवं भारती सॉफ्टवेयर के उपयोग तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से हिन्दी में कार्य करने के विभिन्न तरीकों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से हिन्दी में कार्य की गति और गुणवत्ता दोनों में सुधार किया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी चैरिटी कैल्विन ने किया। कार्यशाला में उपस्थित कर्मचारियों ने विषय से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे और हिन्दी में कार्य करने हेतु उपलब्ध तकनीकी संसाधनों की उपयोगी जानकारी प्राप्त की।

<><><><><><><>

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के अंडमान निकोबार क्षेत्रीय केंद्र तथा द्वीपीय जैव विविधता ई आई ए सी पी केंद्र द्वारा पर्यावरण जागरूकता रैली और समुद्र तट सफाई अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आज आयोजित पर्यावरण जागरूकता रैली सेल्युलर जेल से शुरू होकर भारतीय प्राणी सर्वेक्षण कार्यालय तक पहुंची। रैली का शुभारंभ पर्यावरण एवं वन विभाग, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) डॉ. एस. दिनेश कन्नन ने किया। रैली में वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, जे एन आर एम के विद्यार्थियों, वन अधिकारियों तथा एएटीओ के सदस्यों सहित कुल 62 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने सतत जीवनशैली, जैव विविधता संरक्षण, प्लास्टिक प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर संदेश प्रदर्शित किए। कार्यक्रम में केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. सी. शिवपेरुमन ने जैव विविधता संरक्षण, अनुसंधान एवं प्रलेखन में संस्थान की भूमिका पर प्रकाश डाला तथा द्वीपीय पारिस्थितिक तंत्र की सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

<><><><><><><>

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 20 जून को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह लोक अदालत पोर्ट ब्लेयर स्थित जिला न्यायालय परिसर, मायाबंदर उप–मंडलीय न्यायालय परिसर तथा डिगलीपुर और कैंपबेल बे के सर्किट न्यायालयों में आयोजित होगी। नागरिको से अपील की है कि वे अपने विवादित मामले जो अब तक लंबित है, उनका विवरण लिखित रूप में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पोर्ट ब्लेयर को 8 जून से पहले प्रस्तुत करें। इससे मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में 20 जून को सुनवाई एवं निस्तारण के लिए तैयार किया जा सकेगा।

<><><><><><><>

केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान तथा इसके कृषि विज्ञान केंद्रों दक्षिण अंडमान, उत्तर एवं मध्य अंडमान और कार निकोबार द्वारा कृषि विभाग, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन तथा केंद्र शासित प्रदेश कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण के सहयोग से 'खेत बचाओ अभियान' शुरू किया गया है। अभियान का उद्देश्य किसानों में जागरुकता बढ़ाना तथा गाँव स्तर पर व्यावहारिक जानकारी और तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना है। अभियान के प्रमुख विषयों में मृदा परीक्षण के लाभ, संतुलित एवं दक्ष उर्वरक उपयोग, दलहन, तिलहन एवं कपास मिशनों के अंतर्गत उपलब्ध अवसरों तथा किसानों के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं, अनुदानों और सहायता कार्यक्रमों की जानकारी शामिल है। अभियान का शुभारंभ दक्षिण अंडमान के नमूनाघर में आयोजित कार्यक्रम से हुआ, जिसमें 30 किसानों ने भाग लिया।

<><><><><><><>